इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC/06

Date: 11/04/2020

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

कोविड–19 नामक महामारी के प्रकोप ने हमें आप सबसे मिलने में अवरोध उत्पन्न कर दिया है, फिर भी मुझे आप सभी का ध्यान है और आप सभी वैचारिक धरातल पर मुझसे निरंतर जुड़े हुए हैं। इस परिस्थिति में हमारी बुद्धि निर्मल बनी रहे। आपकी अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय का प्रांगण सूना हो गया है। परिसर की आप शोभा हैं। विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्र के आप भविष्य हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस कठिन समय में आप सभी के सहयोग, संकल्प, समर्पण और धैर्य से हमारा देश विद्यमान संकट पर शीघ्र विजय प्राप्त कर लेगा।

मुझे इस बात का संतोष है कि आप अपने परिवार के साथ हैं। परिवार के सदस्यों का एक साथ रहना हमें अतिरिक्त बल देता है। आप देश के अलग–अलग प्रांतों के वासी हैं, कोविड–19 ने भारत के सभी प्रांतों को अपने दुष्प्रभाव में ले लिया है। इस विभीषिका का हम सभी अनुभव कर रहे हैं। मेरा आपसे यह आग्रह है कि अपने अदम्य साहस के साथ कोविड–19 रूपी महामारी को निर्मूलित करने के लिए कटिबद्ध हो जाएं। भारत की युवा शक्ति इस देश का संबल है। युवा डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों, सुरक्षाबलों और सफाईकर्मियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि राष्ट्र की युवा–शक्ति भीषण से भीषण परिस्थिति में भी विजय का हुंकार भरती रहती है।

आप जहॉ कहीं भी हों इन सेवा–कर्मियों का उत्साहवर्धन कीजिए। समाज–सेवा में अपना योगदान दीजिए। संकट से पार पाने के लिए संकल्प और साहस का संबल कभी न छोड़िए। आशा और उत्साह बनाए रखिए।

विश्वविद्यालय आपकी चिंता करता है। आपके परिवार की चिंता करता है और आपके भविष्य के लिए योजनाएं भी बना रहा है। आप ऑनलाइन अपने दक्ष और ख्यातिलब्ध शिक्षकों तथा हमारे निरंतर संपर्क में हैं, सदा जुड़े रहिए। यह ध्यान रखिए कि हम आज वैश्विक आपदा और राष्ट्रीय संकट का सामना कर रहे हैं, छोटी–मोटी निजी समस्याएँ इसके सामने गौण हैं। हमारी एकजुटता और हमारा आत्मबल कभी क्षीण न हो।

अपने परिवार के साथ सहयोग करते रहिए। अपने पाठ्यक्रम सें इतर भी साहित्य का अध्ययन कीजिए। अपनी रूचि की पुस्तकें पढ़िए। अपनी मातृभाषा में कुछ सृजनात्मक लिखिए। अपने इन दिनों के अनुभव लिख डालिए, जो प्रेरक हों, उत्साहवर्धक हों। इन्हें अपने प्रियजानों को भेजिए।

आपके अभिभावक के रूप में आपसे यह अपील कर रहा हूँ। अपनी पढ़ाई एवं शोधकार्य करते रहिएगा। घर में भी साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखिएगा। घर के बाहर नहीं निकलना है। अपने को अत्यधिक व्यस्त रखिये–चिंतन, मनन, अध्ययन और लेखन में। आप सभी का कल्याण और आपके उज्जवल भविष्य का निर्माण हमारी सदेच्छा है।

आप युवा हैं, ऊर्जा से ओत–प्रोत हैं और देश के भावी स्वरूप के निर्धारक है। आप इस बात को अवश्य ही समझते हैं कि अपने राष्ट्रीय कर्तव्य के निर्वहन के लिए आज हमें कोविड–19 के विरूद्ध प्रतिक्षण अपनी पराजेय जीवनी–शक्ति का उद्घोष करते रहना है।

परिवारीजनों सहित आप सदा स्वस्थ, निरोग, सुरक्षित, प्रसन्न और लक्ष्यप्राप्ति के लिए सक्रिय रहें।

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

Amarkantak, District – Anuppur, MADHYA Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner